REPORT OF CONFERENCE

3rd INTERNATIONAL CONFERENCE
ON THE TOPIC

CONTROL MISSION OF ENVIRONMENT AND DISASTER MANAGEMENT : ROLE OF GOVERNMENT AND NON GOVERNMENT ORGANISATIONS

ORGANIZED BY
DEPTT OF ZOOLOGY PALIWAL PG COLLEGE SHIKOHABAD, FIROZABAD (UP) INDIA, NSS UNIT, IAST IN COLLABORATION WITH NIDM, NEW DELHI

DATED
23rd & 24th December 2023

Venue
Paliwal College Campus Shikohabad

Patron
Prof. Praveen Kumar
Principal Paliwal College

Organising Secretary
Dr MP Singh, Incharge Zoology Dept & DNO- NSS
Firozabad

Dr Preeti Soni
NIDM New Delhi

संक्षिप्त आख्या

कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य

उपरोक्त विषय के संदर्भ में वर्तमान में यह देखा जा रहा है कि प्राकृतिक संसाधनों का अनुचित एवं अविवेकशील तरीके से किए जा रहा दोहन एक चिंता का विषय बना हुआ है। जनमानस के बीच इस प्रकार के आयोजन के द्वारा उनको जागरूकता की तरफ मोड़ा जा सकता है। यह देखा जा रहा है कि जो भी आपदा आती है उससे पर्यावरण अर्थात जैब विविधता प्रभावित होती है। वास्तव में डिजास्टर कहीं भी और कभी भी हो सकता है। उसके प्रबंधन की आवश्यकता अपनी सजगता के द्वारा करनी होगी। किसी भी विषय वस्तु का अनधिकृत तरीके से किया गया उपयोग डिजास्टर का रूप ले सकता है।

प्रस्तावना एवं वक्ताओं के विचार

आयोजन सचिव डॉ एमपी सिंह ने बताया कि उपरोक्त कॉन्फ्रेंस पालीवाल महाविद्यालय शिकोहाबाद, जनपद फिरोजाबाद के जंतु विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय सेवा योजना, इंडियन एसोसिएशन ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी आगरा तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित की गई है।

DAY FIRST

कॉन्फ्रेंस के पैट्रोन प्राचार्य प्रोफेसर प्रवीण कुमार एवं आयोजन सचिव डॉ एमपी सिंह ने विदेश से आए हुए अतिथियों एवं महाविद्यालय परिवार की वरिष्ठ शिक्षकों ने सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सरस्वती वंदना में भाग लिया । दो एमपी सिंह ने अतिथि वक्ताओं का परिचय कराया । प्राचार्य महोदय ने सभी अतिथियों का स्वागत किया ।

बांग्लादेश एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी ढाका से आए प्रोफेसर विनय चक्रवर्ती ने बताया कि वर्तमान में मनुष्य द्वारा कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग करने से मनुष्य को अत्यधिक नुकसान के साथ-साथ पर्यावरण को बहुत ही क्षति हो रही है जिससे मनुष्य को मानसिक विकार के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के शारीरिक विकार भी उत्पन्न हो रहे हैं । अतः हमें जैविक फार्मिंग को फॉलो करना होगा क्योंकि इंसेक्टिसाइड, पेस्टिसाइड्स, फंजीसाइड्स एवं जर्मीसाइड्स आदि सभी जैव विविधता को प्रभावित कर रहे हैं ।

एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी रामपुर, चितवन, नेपाल से आए प्रोफेसर दिलीप कुमार झा ने ब ताया कि मनुष्य वर्तमान में प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दुरुपयोग कर रहा है जिसमें विशेष रूप से पानी की कमी होती चली जा रही है । प्राकृतिक जल स्रोतों के सूख जाने से अथवा प्रभावित होने से जलीय जीव जंतु समुदाय पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है और वह खत्म होता जा रहा है यह भी एक डिजास्टर का रूप है । हम सबको मिलकर अपने प्राकृतिक स्रोतों को जिंदा रखना होगा । इसके लिए सरकार के साथ कम से कदम मिलाकर हमें चलना होगा । ऐसा प्रतीत हो रहा है कि निकट भविष्य में हम अपनी संतानों को पानी उपलब्ध भी नहीं करा पाएंगे उन्होंने कहा कि आगामी विश्व युद्ध पानी के कारण ही होगा ।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय अलीगढ़ के इंजीनियरिंग विभाग से आमंत्रित डॉ रेहान सादिक ने My topic will be "NUCLEAR ENERGY : SAFETY, DISATER MITIGATION AND SUSTAINABLE DEVLOPMENT" नमक टॉपिक को एक्सप्लेन करते हुए पर्यावरण को नैनो तकनीक से जोड़ा एवं विभिन्न विषयों पर प्रकाश डाला । अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से ही अवकाश प्राप्त प्रो. सफुरुद्दीन खान ने भी अपने विचार व्यक्त किए । इन्डियन एकेडमी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के डायरेक्टर डॉ डी पी सिंह कॉन्फ्रेंस के विषय को लेकर अपना अपने विचार रखे और कहा कि यह अत्यंत ही महत्वपूर्ण विषय है जिस पर हमें फोकस करना होगा । आगरा कॉलेज आगरा इतिहास विभाग के प्रोफेसर एवं पालीवाल महाविद्यालय शिकोहाबाद के प्रबंध समिति के सदस्य प्रोफेसर अनुराग पालीवाल ने हमारी सांस्कृतिक विरासत के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न नदियों एवं वनस्पतियों को धर्म से जोड़कर छात्र /छात्राओं के समक्ष भारतीय संस्कृति पर अपने विचार व्यक्त किए।

उपरोक्त विषय पर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर एंड मैनेजमेंट नई दिल्ली की ओर से सीनियर प्रोग्राम कंसलटेंट(IUINDRR-NIDM), डॉ प्रीति सोनी ने कॉन्फ्रेंस को एड्रेस किया । कार्यक्रम का संचालन अयजोजन सचिव एवं जंतु विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. एमपी सिंह तथा आए हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर प्रवीण कुमार द्वारा किया गया। इस दौरान डॉ ए के चौधरी, डॉ आर सी दुबे, डॉ अंशू शर्मा, डॉ होज़ेफा सगीर,डॉ विशाल पाठक, डॉ प्रेम प्रभाकर, डॉ सुशील कुमार, शालू अग्रवाल, डॉ आर बी पांडेय,पुष्कर सिंह, सुनील कुमार पटेल, नवीन कुमार पालीवाल, प्रवीण कुमार पालीवाल, डॉ टी एच नकवी, वीरेंद्र सिंह,अनुराग पालीवाल, भुवनेश कुमार डॉ अनामिका सिंह (रामेश्वर दयाल कन्या महाविद्यालय हाथरस), डॉ शिल्पी शाक्य (गवर्नमेंट कॉलेज फतेहाबाद), डॉ स्नेहलता चतुर्वेदी (ए के कॉलेज शिकोहाबाद), डॉ दर्शना कुमारी, डॉ शशी प्रभा तोमर, डॉ सीमा जैन, डॉ प्रीति सिंह, समृद्धि कुमारी,

पल्लवी पांडेय आदि शिक्षिकाएं (बीडीएम महाविद्यालय शिकोहाबाद), श्री राम सिंह, श्री छोटेलाल छोटे लाल,संजय सिंह, प्रियंका कुमारी रिसर्च स्कॉलर जंतु विज्ञान पालीवाल महाविद्यालय, दिनेश कुमार रिसर्च स्कॉलर आगरा कॉलेज आगरा के अतिरिक्त एमएससी एवं बीएससी के सभी छात्र-छात्राओं ने उपस्थित रहकर आपदा प्रबंधन के गुर सीखे।

पालीवाल महाविद्यालय, शिकोहाबाद में पर्यावरण एवं आपदा प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान का आयोजन

Int Conf Day 1st -- 23.12.23

इंडिया डायरेक्ट न्यूज संवाददाता

गाजियाबादःपालीवाल महाविद्यालय शिकोहाबाद में आज दिनांक 23/12/2023 को पर्यावरण एवं आपदा प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें बांग्लादेश से आए प्रोफेसर विनय चक्रवर्ती ने बताया कि वर्तमान में मनुष्य द्वारा कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग करने से मनुष्य को अत्यधिक नुकसान के साथ-साथ पर्यावरण को बहुत ही क्षति हो रही है जिससे मनुष्य को मानसिक विकार के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के शारीरिक विकार उत्पन्न हो रहे हैं तथा नेपाल से आए प्रोफेसर दिलीप कुमार झा ने बताया कि मनुष्य वर्तमान में प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दुरुपयोग कर रहा है जिसमें विशेष रूप से पानी की कमी होती चली जा रही है ऐसा प्रतीत हो रहा है कि निकट भविष्य में हम अपनी संतानों को पानी उपलब्ध भी करा पाएंगे उन्होंने कहा कि आगामी विश्व युद्ध पानी के कारण ही होगा जबकि अलीगढ़ विश्वविद्यालय अलीगढ़ से पधारे डॉक्टर रेहान ने पर्यावरण को नैनो तकनीक से जोड़कर विभिन्न विषयों पर प्रकाश डाला साथ ही प्रो. सफुरुद्दीन एवं इन्डियन एकेडमी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के डायरेक्टर डॉ डी पी सिंह भी उपस्थित रहे। आगरा कॉलेज आगरा से पधारे प्रोफेसर अनुराग पालीवाल ने हमारे सांस्कृतिक विरासत के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न नदियों एवं वनस्पतियों को जोड़कर छात्र /छात्राओं के समक्ष भारतीय संस्कृति पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन अयोजन सचिव डॉ. मित्रपाल सिंह तथा आए हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर प्रवीण कुमार द्वारा किया गया। इस दौरान डॉ ए के चौधरी, डॉ आर सी दुबे, डॉ अंशू शर्मा, डॉ होजेफा सगीर,डॉ विशाल पाठक, डॉ प्रेम प्रभाकर, डॉ सुशील कुमार, शालू अग्रवाल, डॉ आर बी पांडेय,पुष्कर सिंह, सुनील कुमार पटेल, नवीन कुमार पालीवाल, प्रवीण कुमार पालीवाल, डॉ टी एच नकवी, वीरेंद्र सिंह,अनुराग पालीवाल, भुवनेश कुमार डॉ अनामिका सिंह (आर डी के कॉलेज हाथरस), डॉ शिल्पी शाक्य (गवर्नमेंट कॉलेज फतेहाबाद), डॉ स्नेहलता चतुवेर्दी (ए के कॉलेज), डॉ दर्शना कुमारी, डॉ शशी प्रभा तोमर, डॉ सीमा जैन, डॉ प्रीति सिंह, समृद्धि कुमारी, पल्लवी पांडेय आदि शिक्षिकाएं बीडीएम महाविद्यालय , राम सिंह, छोटे लाल,संजय सिंह, प्रियंका कुमारी रिसर्च स्कॉलर जंतु विज्ञान पालीवाल महाविद्यालय, दिनेश कुमार रिसर्च स्कॉलर आगरा कॉलेज आगरा के अतिरिक्त एमएससी एवं बीएससी के सभी छात्राएं उपस्थित रहे।

Int. Conf Day 1st 23.12.23

पालीवाल कॉलेज में पर्यावरण एवं आपदा प्रबंधन पर अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान

फिरोजाबाद (सच कहूँ न्यूज)। पालीवाल महाविद्यालय शिकोहाबाद में शनिवार को पर्यावरण एवं आपदा प्रबंधन पर अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान क आयोजन किया गया व्याख्यान में बांग्लादेश के प्रोफेसर विनय चक्रवर्ती ने बताया कि वर्तमान में मनुष्य के कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग करने से मनुष्य को अत्यधिक नुकसान के साथ-साथ पर्यावरण को बहुत ही क्षति हो रही है जिससे मनुष्य को मानसिक विकार के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के शारीरिक विकार उत्पन्न हो रहे हैं। नेपाल के प्रोफेसर दिलीप कुमार झा ने बताया कि मनुष्य वर्तमान में प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दुरुपयोग कर रहा है जिसमें विशेष रूप से पानी की कमी होती चली जा रही है। अलीगढ़ विश्वविद्यालय अलीगढ़ से पधारे डॉक्टर रेहान ने पर्यावरण को नैनो तकनीक से जोड़कर विभिन्न विषयों पर प्रकाश डाला। प्रो. सफुरुद्दीन एवं इन्डियन एकेडमी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के डायरेक्टर डॉ डीपी सिंह ने भी जानकारियां दी। आगरा कॉलेज आगरा से पधारे प्रोफेसर अनुराग पालीवाल ने हमारे सांस्कृतिक विरासत के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न नदियों एवं वनस्पतियों को धर्म से जोड़कर छात्र /छात्राओं के समक्ष भारतीय सस्कृति पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन आयोजक सचिव डॉ. मित्रपाल सिंह ने किया। इस दौरान डॉ ए के चौधरी, डॉ आर सी दुबे, डॉ अंशू शर्मा, डॉ होजेफा सगीर,डॉ विशाल पाठक, डॉ प्रेम प्रभाकर, डॉ सुशील कुमार, शालू अग्रवाल, डॉ आर बी पांडेय,पुष्कर सिंह, सुनील कुमार पटेल, नवीन कुमार पालीवाल, प्रवीण कुमार पालीवाल, डॉ टी एच नकवी, वीरेंद्र सिंह, डॉ अनामिका सिंह (आर डी के कॉलेज हाथरस), डॉ शिल्पी शाक्य (गवर्नमेंट कॉलेज फतेहाबाद), डॉ स्नेहलता चतुर्वेदी(ए के कॉलेज), डॉ दर्शना कुमारी, डॉ शशी प्रभा तोमर मौजूद रहे।

पालीवाल महाविद्यालय में पर्यावरण एवं आपदा प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान का आयोजन

Int Conf Day 1st-- 23.12.23

■ SPM NEWS

शिकोहाबाद। पालीवाल महाविद्यालय शिकोहाबाद में शनिवार को पर्यावरण एवं आपदा प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें बांग्लादेश से आए प्रोफेसर विनय चक्रवर्ती ने बताया कि वर्तमान में मनुष्य द्वारा कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग करने से मनुष्य को अत्यधिक नुकसान के साथ-साथ पर्यावरण को बहुत ही क्षति हो रही है जिससे मनुष्य को मानसिक विकार के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के शारीरिक विकार उत्पन्न हो रहे हैं तथा नेपाल से आए प्रोफेसर दिलीप कुमार झा ने बताया कि मनुष्य वर्तमान में प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दुरुपयोग कर रहा है जिसमें विशेष रूप से पानी की कमी होती चली जा रही है ऐसा प्रतीत हो रहा है कि निकट भविष्य में हम अपनी संतानों को पानी उपलब्ध भी करा पाएंगे उन्होंने कहा कि आगामी विश्व युद्ध पानी के कारण ही होगा जबकि अलीगढ़ विश्वविद्यालय अलीगढ़ से पधारे डॉक्टर रेहान ने पर्यावरण को नैनो तकनीक से जोड़कर विभिन्न विषयों पर प्रकाश डाला साथ ही प्रो. सफुरुद्दीन एवं इन्डियन एकेडमी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के डायरेक्टर डॉ डी पी सिंह भी उपस्थित रहे।

आगरा कॉलेज आगरा से पधारे प्रोफेसर अनुराग पालीवाल ने हमारे सांस्कृतिक विरासत के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न नदियों एवं वनस्पतियों को धर्म से जोड़कर छात्र छात्राओं के समक्ष भारतीय संस्कृति पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन अयजोजन सचिव डॉ. मित्रपाल सिंह तथा आए हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर प्रवीण कुमार द्वारा किया गया। इस दौरान डॉ ए के चैधरी, डॉ आर सी दुबे, डॉ अंशू शर्मा, डॉ होजेफा सगीर,डॉ विशाल पाठक, डॉ प्रेम प्रभाकर, डॉ सुशील कुमार, शालू अग्रवाल, डॉ आर बी पांडेय,पुष्कर सिंह, सुनील कुमार पटेल, नवीन कुमार पालीवाल, प्रवीण कुमार पालीवाल, डॉ टी एच नकवी, वीरेंद्र सिंह,अनुराग पालीवाल, भुवनेश कुमार डॉ अनामिका सिंह (आर डी के कॉलेज हाथरस), डॉ शिल्पी शाक्य (गवर्नमेंट कॉलेज फतेहाबाद), डॉ स्नेहलता चतुर्वेदी (ए के कॉलेज), डॉ दर्शना कुमारी, डॉ शशी प्रभा तोमर, डॉ सीमा जैन, डॉ प्रीति सिंह, समृद्धि कुमारी, पल्लवी पांडेय आदि शिक्षिकाएं बीडीएम महाविद्यालय , राम सिंह, छोटे लाल,संजय सिंह, प्रियंका कुमारी रिसर्च स्कॉलर जंतु विज्ञान पालीवाल महाविद्यालय, दिनेश कुमार रिसर्च स्कॉलर आगरा कॉलेज आगरा के अतिरिक्त एमएससी एवं बीएससी के सभी छात्राएं उपस्थित रहे।

DAY SECOND

पालीवाल महाविद्यालय शिकोहाबाद में कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन(24.12.2023) पर्यावरण एवं आपदा प्रबंधन हेतु सरकारी तथा गैस सरकारी संगठनों की भूमिका पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस

प्रारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ । केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ हरियाणा से प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर सुषमा यादव चीफ गेस्ट के रूप में उपस्थिति रही । उन्होंने कहा कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ करना ही डिजास्टर को आमंत्रण देना है । हमें जितनी आवश्यकता है प्रकृति से उतना ही लें, उसका संग्रह न करें और न ही आवश्यकता से अधिक उपयोग में लाने का कष्ट करें । उन्होंने कहा कि डिजास्टर कहीं भी और कभी भी हो सकता है । इसलिए प्रकृति के साथ

संतुलन बनाने की बहुत अधिक आवश्यकता है प्रकृति के विरुद्ध क्रियाकलाप ही डिजास्टर का रूप लेते हैं और यह काम मनुष्य ही करता है कोई जानवर नहीं । एनआईडीएम नई दिल्ली के के सीनियर एडवाइजर एवं HEAD(IUINDRR-NIDM), प्रोफेसर संतोष कुमार सिंह ने छात्र-छात्राओं को आवाहन किया कि वह आपदा प्रबंधन के संदर्भ में आयोजित विभिन्न कॉन्फ्रेंस तथा कार्यशालाओं में प्रतिभाग अवश्य करें । नेशनल इंस्टीट्यूट आफ डिजास्टर मैनेजमेंट पूरे भारतवर्ष में विभिन्न प्रकार की कार्यशालाएं प्रत्येक माह अलग-अलग राज्यों और जिलों में आयोजित करता रहता है और इन आयोजनों के माध्यम से जनमानस को जागरूक होने की आवश्यकता है । बैंगकुलू यूनिवर्सिटी इंडोनेशिया के फॉरेस्ट्री डिपार्मेंट से प्रोफेसर गुसबरनी ने

GLOBAL WARMING & ENVIRONMENTAL DISASTERS पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए

कहा कि हम किस प्रकार इसे कम कर सकते हैं । गोस्वामी
ने बताया कि डिफोरेस्टेशन डिजास्टर को बढ़ावा देना है । अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय अलीगढ़ से कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर राशिद अली ने बताया कि हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी की सहायता से किस प्रकार आपदा प्रबंधन कर सकते हैं। आजकल सत्य मिथ्या आईडी वीडियो क्लिप आदि बनाकर समाज को गुमराह किया जा रहा है इसको इसकी सत्यता जचने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद ली जा सकती है । लखनऊ स्थित इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के एनवायरमेंटल साइंस Deptt एवं स्टूडेंट वेलफेयर के डीन प्रोफेसर एम ए खालिद ने बताया कि मनुष्य वर्तमान में अपने सुख सुविधा के लिए प्रकृति का अनावश्यक दोहन करके कई समस्याएं उत्पन्न कर रहा है। उन्होंने अपने प्रोजेक्ट के दौरान कई राज्यों की उषर जमीनों को उपजाऊ बनाने के साथ-साथ अनेक जगह प्लांटेशन किया और पर्यावरण को संरक्षित करने में अपना योगदान दिया । आर बी एस कॉलेज, आगरा से आए डॉ सी एल शर्मा ने बताया कि हम अपनी प्राचीन संस्कृति को पहचाने और उसके अनुसार जीवन यापन करें तो आपदा प्रबंधन की कोई जरूरत नहीं पड़ेगी। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ. एमपी सिंह तथा आए हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद के प्राचार्य प्रोफेसर प्रवीण कुमार द्वारा किया गया।

इस दौरान डॉ विशाल पाठक, डॉ प्रेम प्रभाकर, डॉ अजय करण चौधरी डॉ अंशु शर्मा, डॉ सुशील कुमार, शालू अग्रवाल, डॉ आर बी पांडेय, डॉ दर्शना कुमारी एवं डॉ नीलम यादव ने भी अपने

अपने विचार प्रकट किए। टेक्निकल सत्र के दौरान DAV कॉलेज मुजफ्फरनगर की प्रोफेसर सुषमा सैनी और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय अलीगढ़ के फिजिक्स डिपार्टमेंट के श्री अंकेश यादव ने अपना प्रेजेंटेशन दिया ।

इस अवसर पर श्री नवीन कुमार पालीवाल, प्रवीण कुमार पालीवाल, डॉ टी एच नकवी, डॉ दर्शना कुमारी, नंदिनी, असम से डॉ माजिदा अहमद, प्रोफेसर सुषमा सैनी मुजफ्फरनगर, डॉ प्रीति सिंह, डॉ पल्लवी पांडे आदि शिक्षिकाएं एवं पूनम, उमा, गायत्री, डॉली, सोनी, मधू गौड़ सोनी प्रिया कुमारी आदि छात्राओं (बीडीएम महाविद्यालय) के साथ महाविद्यालय से राम सिंह, छोटे लाल,संजय सिंह, प्रियंका कुमारी रिसर्च स्कॉलर (जंतु विज्ञान पालीवाल, महाविद्यालय) के अतिरिक्त एमएससी एवं बीएससी के सभी छात्र /छात्राएं उपस्थित रहे।

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस जिसका विषय कंट्रोल मिशन ऑफ एनवायरनमेंट एंड डिजास्टर मैनेजमेंट रोल का गवर्नमेंट एंड नॉन गवर्नमेंट ऑर्गेनाइजेशंस था को की सफलता पर महाविद्यालय के प्रबंधक श्री राहुल पालीवाल, संरक्षक श्री के के पालीवाल, अध्यक्ष श्री राजीव पालीवाल एवं पालीवाल स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री विजय दत्त पालीवाल जी ने महाविद्यालय प्रशासन को बधाई दी है । डॉक्टर एमपी सिंह आयोजन सचिव ने बताया कि यह इस प्रकार का तीसरा अंतर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस सेमिनार है जिसको महाविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित किया गया है इसके अलावा दो दर्जन से अधिक *अंतरराष्ट्रीय ई- कॉन्फ्रेंस* भी विभाग द्वारा आयोजित की जा चुकी है ।

Int Conf Day 2nd 24.12.23

अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान में आपदा प्रबंधन के सुझाए उपाय

शिकोहाबाद। पालीवाल महाविद्यालय में पर्यावरण एवं आपदा प्रबंधन पर अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें आपदा प्रबंधन के तरीकों पर विचार व्यक्त किए गए। Int conf

केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ हरियाणा की वाइस चांसलर प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि हमें जितनी आवश्यकता है, प्रकृति से उतना ही लेना चाहिए। नेशनल डिजास्टर इंस्टीट्यूट नई दिल्ली डॉक्टर प्रीति सोनी एवं इंडोनेशिया की प्रो. गुसबरनी ने संयुक्त रूप से आपदा प्रबंधन पर विचार रखे। संचालन सचिव डॉ. एमपी सिंह ने किया। प्रो. राशिद अली, प्रो. एमए खालिद, आरबीएस डॉ. सीएल शर्मा, प्रो. प्रवीण कुमार, डॉ. विशाल पाठक, डॉ. प्रेम प्रभाकर, शालू अग्रवाल, डॉ. आरबी पांडेय, डॉ. दर्शना कुमारी, डॉ. नीलम यादव भी रहीं। संवाद

श में शताब्दी वर्ष का शुभारंभ है। ग्राम के बच्चे पढ़ रहे हैं। बटेश्वर और आगरा के निवासियों कर रही है।

Int. conf day 2nd--24.12.23

अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं ने आपदा प्रबंधन व्याख्यान में रखे अपने विचार

प्रकृति से खिलवाड़ बर्बादी को आमंत्रण :प्रो . सुषमा

फिरोजाबाद (सच कहूँ न्यूज)। पालीवाल महाविद्यालय में पर्यावरण एवं आपदा प्रबंधन पर अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ हरियाणा की प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर सुषमा यादव थी।

मुख्य अतिथि ने कहा कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ करना ही बर्बादी को आमंत्रण देना है। हमें जितनी आवश्यकता है प्रकृति से उतना ही लें। उसका संग्रह ना करें और ना ही आवश्यकता से अधिक उपयोग में लाने का प्रयास करें। नेशनल डिजास्टर इंस्टीट्यूट न्यू दिल्ली की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉक्टर प्रीति सोनी ने आपदा प्रबंधन के तरीके बताए। इंडोनेशिया से प्रोफेसर गुसबरनी ने ग्लोबल वार्मिंग ने कहा कि हम किस प्रकार इसे कम कर सकते हैं।

अलीगढ़ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राशिद अली ने बताया कि हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी की सहायता से किस प्रकार आपदा प्रबंधन कर सकते हैं। लखनऊ की इंटीग्रल यूनिवर्सिटी एनवायरमेंटल साइंस के प्रोफेसर एम ए खालिद ने बताया कि मनुष्य वर्तमान में अपने सुख सुविधा के लिए प्रकृति का अनावश्यक दोहन करके कई समस्याएं उत्पन्न कर रहा है। आरबीएस कॉलेज आगरा के डॉ सी एल शर्मा ने बताया कि हम अपनी प्राचीन संस्कृति को पहचाने और उसके अनुसार जीवन यापन करें तो आपदा प्रबंधन की कोई जरूरत नहीं पड़ेगी। कार्यक्रम का संचालन आयोजक सचिव डॉ. एमपी सिंह ने किया। अतिथियों का धन्यवाद प्राचार्य प्रो. प्रवीण कुमार ने किया। इ

कार्यक्रम में डॉ विशाल पाठक, डॉ प्रेम प्रभाकर यादव, डॉ अजय करण चौधरी, डॉ अंशु शर्मा, डॉ सुशील कुमार मिश्रा, शालू अग्रवाल, डॉ आर बी पांडेय, डॉ दर्शना कुमारी, डॉ नीलम यादव ने भी विचार प्रकट किए। इस अवसर पर नवीन कुमार पालीवाल, प्रवीण कुमार पालीवाल, डॉ टी एच नकवी आदि मौजूद रहे।

Int.Conf. day 2nd 24.12.23

आपदा प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं ने रखे अपने विचार

प्रकृति से खिलवाड़ करना बबार्दी को आमंत्रण देना - प्रो. सुषमा

नेशनल एक्सप्रेस/ तहसील रिपोर्टर

शिकोहाबाद । पालीवाल महाविद्यालय में पर्यावरण एवं आपदा प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ हरियाणा की प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर सुषमा यादव थी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ करना ही बबार्दी को आमंत्रण देना है। हमें जितनी आवश्यकता है प्रकृति से उतना ही लें। उसका संग्रह ना करें और ना ही आवश्यकता से अधिक उपयोग में लाने का प्रयास करें। नेशनल डिजास्टर इंस्टीट्यूट न्यू दिल्ली की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉक्टर प्रीति सोनी ने आपदा प्रबंधन के तरीके बताए । इंडोनेशिया से प्रोफेसर गुसबरनी ने ग्लोबल वार्मिंग ने कहा कि हम किस प्रकार इसे कम कर सकते हैं। अलीगढ़ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राशिद अली ने बताया कि हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी की सहायता से किस प्रकार आपदा प्रबंधन कर सकते हैं। लखनऊ की इंटीग्रल यूनिवर्सिटी एनवायरमेंटल साइंस के प्रोफेसर एम ए खालिद ने बताया कि मनुष्य वर्तमान में अपने सुख सुविधा के लिए प्रकृति का अनावश्यक दोहन करके कई समस्याएं उत्पन्न कर रहा है। आरबीएस कॉलेज आगरा के डॉ सी एल शर्मा ने बताया कि हम अपनी प्राचीन संस्कृति को पहचाने और उसके अनुसार जीवन यापन करें तो आपदा प्रबंधन की कोई जरूरत नहीं पड़ेगी। कार्यक्रम का संचालन आयोजक सचिव डॉ. एमपी सिंह ने किया। अतिथियों का धन्यवाद के प्राचार्य प्रो. प्रवीण कुमार ने किया। इस मौके पर डॉ विशाल पाठक, डॉ प्रेम प्रभाकर यादव, डॉ अजय करण चौधरी, डॉ अंशु शर्मा, डॉ सुशील कुमार मिश्रा, शालू अग्रवाल, डॉ आर बी पांडेय, डॉ दर्शना कुमारी, डॉ नीलम यादव ने भी विचार प्रकट किए। इस अवसर पर नवीन कुमार पालीवाल, प्रवीण कुमार पालीवाल, डॉ टी एच नकवी आदि मौजूद रहे।

8:14 am

सभी का आभार ... आईआईएम द्वारा

INT CONF DAY 2ND 24.12.23

एनआईडीएम दिल्ली के डॉ. संतोष कुमार एवं प्रीति सोनी ने कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया

■ **SPM NEWS**

शिकोहाबाद। पालीवाल महाविद्यालय शिकोहाबाद में दिनांक 24/12/2023 को कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन पर्यावरण एवं आपदा प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ हरियाणा से प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर सुषमा यादव चीफ गेस्ट के रूप में उपस्थिति रही। उन्होंनि कहा कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ करना ही डिजास्टर को आमंत्रण देना है हमें जितनी आवश्यकता है प्रकृति से उतना ही लें उसका संग्रह ना करें और ना ही आवश्यकता से अधिक उपयोग में लाने का कष्ट करें स एनआईडीएम के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रोफेसर संतोष कुमार सिंह ने छात्र-छात्राओं को आवाहन किया कि वह आपदा प्रबंधन के संदर्भ में आयोजित विभिन्न कॉन्फ्रेंस तथा कार्यशालाओं में प्रतिभा अवश्य करें स नेशनल डिजास्टर इंस्टीट्यूट न्यू दिल्ली की डॉ प्रीति सोनी ने आपदा प्रबंधन के तरीके बताए स इंडोनेशिया से प्रोफेसर गुसबरनी ने ग्लोबल वार्मिंग पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कहा कि हम किस प्रकार इसे कम कर सकते हैं जबकि अलीगढ़ विश्वविद्यालय अलीगढ़ से पधारे कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर राशिद अली ने बताया कि हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी की सहायता से किस प्रकार आपदा प्रबंधन कर सकते हैं। उन्होंनि कहा कि फेक न्यूज पर कंट्रोल करने के लिए आर्टिफिशियल इंटिलिजेंस का उपयोग किया जा रहा है स लखनऊ की इंटीग्रल यूनिवर्सिटी एनवायरमेंटल साइंस के प्रोफेसर एम ए खालिद ने बताया कि मनुष्य वर्तमान में अपने सुख सुविधा के लिए प्रकृति का अनावश्यक दोहन करके कई समस्याएं उत्पन्न कर रहा है। आर बी एस कॉलेज, आगरा से आए डॉ सी एल शर्मा ने बताया कि हम अपनी प्राचीन संस्कृति को पहचाने और उसके अनुसार जीवन यापन करें तो आपदा प्रबंधन की कोई जरूरत नहीं पड़ेगी। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ. एमपी सिंह तथा आए हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद के प्राचार्य प्रोफेसर प्रवीण कुमार द्वारा किया गया। इस दौरान डॉ विशाल पाठक, डॉ प्रेम प्रभाकर, डॉ अजय करण चैधरी डॉक्टर अंशु शर्मा डॉ सुशील कुमार, शालू अग्रवाल, डॉ आर बी पांडेय डॉ दर्शना कुमारी एवं डॉ नीलम यादव ने भी अपने अपने विचार प्रकट किए। इस अवसर पर श्री नवीन कुमार पालीवाल, प्रवीण कुमार पालीवाल, डॉ टी एच नकवी, डॉ दर्शना कुमारी, नंदिनी, संगीता प्रोफेसर सुषमा सैनी मुजफ्फरनगर आदि शिक्षिकाएं एवं पूनम, उमा, गायत्री, डॉली, सोनी मधू गौड़ सोनी प्रिया कुमारी आदि छात्राओं (बीडीएम महाविद्यालय) के साथ महाविद्यालय से राम सिंह, छोटे लाल,संजय सिंह, प्रियंका कुमारी रिसर्च स्कॉलर (जंतु विज्ञान पालीवाल, महाविद्यालय) के अतिरिक्त एमएससी एवं बीएससी के सभी छात्र ध्छात्राएं उपस्थित रहे।

Mentos

3rd INTERNATIONAL CONFERENCE
ON
CONTROL MISSION
OF ENVIRONMENT AND DISASTER
MANAGEMENT
nidm

& NON - GOVT.
(ICCMEDM-2023)
ecember 2023
PALIWAL P.G. COLLEGE

MANAGEMENT :
ROLE OF GOVT. & NON - GOVT.
ORGANIZATIONS (ICC
-2023)
23rd - 24th Decemb
VENUE : PALIWAL COL
MPUS
SHIKOHABAD FIR
NDIA
EEN KUMAR
ORGANIZING SECRETAR
DR. MITRA PAL SIN
PALIWAL P.G. COLLEGE
Estd : 1969
SHIKOHABAD

COLLEGE CAMPUS

INTERNATIONAL CONFERENCE

On

CONTROL MISSION OF ENVIRONMENT AND DISASTER MANAGEMENT: ROLE OF GOVT. & NON-GOVT. ORGANIZATIONS (ICCMEDM-2023)

23RD -24TH DECEMBER 2023

ORGANIZED & HOSTED BY

DEPARTMENT OF ZOOLOGY
PALIWAL P.G. COLL. SHIKOHABAD

IN COLLABORATION WITH

INDIA UNIVERSITIES AND INSTITUTIONS NETWORK FOR DISASTER RISK REDUCTION (IUINDRR-NIDM)

&

NSS CELL, DR. BR. AMBEDKAR

UNIV. AGRA AND INDIAN ACADEMIC OF SCIENCE AND TECHNOLOGY SOCIETY (IAST)

CONFERENCE VENUE:

College Campus, Shikohabad, Firozabad, U.P.

CHIEF PATRONS

Shri Rajendra Ratnoo, IAS,
Executive Director, NIDM

Prof. Ashu Rani
(Hon'ble V.C., Dr. BRA University, Agra)

PATRONS

Prof. Sushma Yadav
Pro-V.C., Central University of Haryana

Prof. K.S. Rana
V.C. Starex University, Gurgaon, Haryana

Dr. Rajesh Prakash Yadav
R.H.E.O. Agra

Dr. Dilip Yaday
Chancellor, F.S. University, Shikohabad

Mr. Deepak Meena
IAS-DM-Meerut

Prof. Rana K.P. Singh
Hon'ble V.C., DSMNR University,
Lucknow

Prof. Praveen Kumar
Principal, Paliwal PG College
Shikohabad

Prof. Santosh Kumar,
Senior Advisor and
Head IUINDRR-NIDM

Mr. Rahul Paliwal
Manager, Paliwal PG College

Mr. AS Kabir
Regional Director, NSS UP and UK

Prof. Manju Singh
SLO-NSS UP

Prof. R.P. Singh
Ex-Director, Higher Education
Prayagraj

Dr. Rajeev Kumar
Registrar
Dr. B.R. Ambedkar University Agra

ORGANIZING SECRETARY:

Dr. M.P. Singh
Associate Prof. & Incharge, Zoology Dept.
Paliwal P.G. College
(DNO NSS, Firozabad)
M. 9410643606

&

Dr. Preeti Soni
Senior Programme Consultant,
IUINDRR-NIDM

ABOUT THE CONFERENCE (ICCMEDM-2023)

In India, disasters have been prevalent since ancient times. The first recorded disaster was managed by Lord Shiva during the churning of the ocean. Various disasters occur in different places worldwide every year. Through this conference, our goal is to raise awareness about disasters and their impacts on society, with a specific focus on disaster management.

Resource persons will emphasize the responsibilities of responders, private sectors, organizations, and volunteers. Given that a large part of India's population depends on agriculture, and the economy relies heavily on this sector, disasters such as droughts, floods, cyclones, earthquakes, and other natural and man-made events significantly affect both the population and property.

During the conference, academicians will provide insights into the duties of government and non-government organizations in protecting the environment and preventing both man-made and natural disasters

ABOUT THE COLLEGE

The college was established in 1969 with the aim of providing education in the science stream. Presently, there are six postgraduate departments in this college offering courses in Zoology, Botany, Mathematics, Physics, Chemistry, and Computer Science. It is strategically located on the Howrah - New Delhi main Railway line, with National Highway 91 also nearby. The college is affiliated with Dr. Bhim Rao Ambedkar University, Agra, formerly known as Agra University.

The college offers various extracurricular activities for the physical and mental well-being of students, including NSS, NCC, and Rovers Rangers. Faculty members of the college have earned recognition at both the national and international levels.

ABOUT NIDM

The National Institute of Disaster Management (NIDM) was constituted under an Act of Parliament with a vision to play the role of a premier Institute for capacity development in India. It is an asset for controlling of disasters either natural or Man Made. The efforts in this direction that began with the formation of the National Centre for Disaster Management (NCDM) in 1995 gained impetus with its redesignation as the National Institute of Disaster Management (NIDM) for training and capacity development. Under the Disaster Management Act 2005, NIDM has been assigned nodal responsibilities for human resource development, capacity building, training, research, documentation and policy advocacy in the Feld of disaster management.

The goal of NIDM is to reduce the number disasters. The Indian Universities and Institutions Network on Disaster Risk Reduction (IUINDRR-NIDM) has been established by NIDM pursuant to Government of India directions and more specifically in conformity to the agenda-6 of the 10 point agenda for Disaster Risk Reduction(DRR) by the Honourable Prime Minister of India, Global issues on Climate Change Adaptation (CCA), Sendai Framework for Disaster Risk Reduction (2015-2030), and Sustainable Development Goals (SDG), for promoting education, innovative technology and research, facilitate capacity development, and contribute

to decision-making for addressing local risks and the needs of the most vulnerable sections of community affected by various disasters.

IUINDRR-NIDM envisions in building nation and communities safe and resilient to disasters, through education, knowledge creation, research, technology, and dissemination. The network also aims to exchange information among the universities and develop a pool of experts in the areas of disaster management.

AIMS OF THE CONFERENCE (ICCMEDM)

The aim of the conference is to improve the country's resilience to disasters and reduce the loss of lives and assets. This issue underscores the importance of the National Disaster Management Plan (NDMP) and its significance in building resilience in India. The main goal of the conference is to explore different ways to reduce the number of disasters through preparation and raising awareness, aiming to avoid human casualties. Resource persons will raise awareness among participants on how to achieve rapid and effective recovery after a disaster, ensuring safety, equity, and equality for all, especially human beings.

SUBTHEMES

- Climate change and disaster.
- Different levels of disaster.
- Management of disasters to get sustainability.
- Biodiversity and disasters.
- Natural disasters.
- Role of education in disaster management.
- Sustainable rebuilding after disasters.
- Role of artificial intelligence in disaster response.
- Climate change Resilience Strategies.
- Man made disasters.
- Biological disasters.
- Nuclear disaster management.
- Mitigation and sustainable development against disaster.
- Role of Technology in disaster management.
- Biofuels for sustainable development.
- Rehabilitation and recovery after disasters.
- Anthropogenic factors of disaster.
- Impact upon livestock and Agriculture productivity after disaster.
- Contributor ship of women in social sustainability.
- Conservation of natural resources.

- Global warming and Ozone Layer healing.
- Strategies of disaster management in Indian context.
- Facts of disaster management.
- Analyzing the approaches of disaster management.
- Any topic concerned with title.

Schedule for 3rd International Conference

On

Control Mission of Environment and Disaster Management: Role of Government and Non-Government Organizations

Date – 23 & 24th December 2023

Venue -College Campus Paliwal College Shikohabad, Firozabad (UP) India

DAY Ist (23rd Dec. 2023)

Timing	**Subject**	**Recourse Person**
09:30 – 10:15	Registration	
Inaugural Session		
10:15 – 10:20	Lighting of Lamp by the Dignitaries	
10:20 – 10:25	Introduction of Dignitaries by	Dr. M.P Singh, Organizing Secretary
10:25 – 10:30	Welcome address by	Prof Praveen Kumar. Principal
10:30 – 10:40	Address by	Prof. Ashu Rani Hon'ble V.C., Dr. B.R. Ambedkar University, Agra
10:40 – 10:50	Keynote Address	Shri Rajendra Ratnoo, IAS ED, NIDM, New Delhi
10:50 – 11:00	Vote of Thanks	Dr. Manju Singh SLO, NSS, UP
Rapporteur of Inaugural Session		Dr. TH Naqvi PO-NSS Dr. Neelam, BDM Shikohabad & Dr. Huzaifa Sagir
11:00 – 11:30	**Group Photo**	
	High Tea	
11:30 – 11:45	**Felicitation of Dignitaries**	
Session-1 Nuclear Energy: Safety, Disaster mitigation and sustainable development **Chair:** Dr. J.K. Awasthi, Prof M.A. Khalid, Prof. Ajay Taneja,		
11:45 – 12:30	• Land Sliding and its impact on environment • Impact upon aquatic fauna	• Dr. Rehan Sadique (Assistant Professor) Civil Engineering, AMU Aligarh. • Prof. D.K. Jha University of Forestry and Agriculture Chitwan Nepal.

12:30 – 12:45	Conclusion of the session	Prof. P.K. Singh Dean School of Life Science Khandari Agra
Rapporteur of Session First		Dr. Anurag Paliwal Agra, College Agra Pooja Tyagi PO-NSS, CL, Jain Firozabad & Dr. Ajab Singh Principal NPG Bhogaon
Session – 2 Earthquake, Flood, Cyclones **Chair**: Prof. Santosh Kumar, NIDM, New Delhi, Prof. Vineeta Singh, Dean Research, Dr. B.R. Ambedkar University, Agra		
12.45 – 13:30	• Sustainable Development Goals of Environment • Disaster Management after earthquake	• Guswarni Anwar, Ph.D, Deptt of Forestry, University of Bengkulu, Indonesia • Prof. S.V. Sashi, Darbhanga Bihar
13:30-13:45	Conclusion of the session	Prof. P.R. Yadav, Retd. Zoology Dept. D.A.B College Muzaffarnagar Dr. B.K. Chikara, Agra College Agra
Rapporteur of the Session 2		Prof. Seema Bhadauria, Principal BVRI, Bichpuri Agra Shalu Agarwal Paliwal College Shikohabad
13:45 – 14:45	*Lunch Break*	
Session - 3 Disaster Risk Reduction and Climate Change **Chair:** Dr. J.K Awasthi Ex Principal N.D College Shikohabad, Dr. R.K Singh Ex Principal A.K College Shikohabad, Prof. BP Singh, Dy Research Khandari Agra		
14:45 – 15:30	• Environmentalist,	• R.K. Maikhuri HNB, University, Sri Nagar, Garhwal
15:30 – 15:45	Conclusion of the session	• Swantrata Kumar Srivastav, DFO, Renukoot, Sonbhadra UP
Rapporteur of Session 3		Dr. Geeta Yadav, AK College, Shikohabad Ms. Shipra Das, Young Professional, NIDM, New Delhi

Session 4 Book Release & Invited Lecture **Chair:** Prof. Praveen Kumar, Principal Paliwal College, Shikohabad & Prof. V.K. Singh, Principal ND College, Shikohabad		
15:45 – 16:30	• Application of Remote Sensing in Disaster Management • Role of Capacity building in Man Streaming Disaster Risk Reduction	• Prof. H.C Nailwal, Head & Dean Dept. of Geology, HNB University Sri Nagar, Garhwal • • Prof. Sunil Nautiyal, Director G.B Pant Institute of Himalayan environment, Koshi Katarmal Almorah
16:30 – 16:45	Conclusion of the session 4	Prof. Renu Verma, Principal, DDN College Firozabad Prof. Geeta Yadvendu, BDM College Firozabad
Rapporteur of Session 4		Ms. Ritu Bhardwaj, Jr. Consultant NIDM, New Delhi Dr. Geeta Yadav, SSJ, NPG College Kasganj

DAY 2nd (24rd Dec. 2023)

Timing	**Subject**	**Resource Person**
09:00 – 10:00	Recap of the previous day: Dr. Sushma Soni, DAV PG College Muzaffarnagar	
Session-5 Climate Change & Challenges of Hilly States, Impact upon Biodiversity **Chair:** Dr. R.K Verma, RBS College, Agra, Dr. Dinesh Lal, St. Jhon's College Agra		
10:00 – 12:00	• Challenges of Disasters in Hilly States • Environment and Humanities • Impact upon Biodiversity	Dr. J.C Kuniyal, Scientist-G Koshi Katramal Almorah Prof RKD Neelanthi Rajpaksha, Deptt of Languages, Jayawardenapura University, Sri Lanka Prof. B.K. Chakraborty, University of Fishries, University of Dhaka Bangladesh
12:00 – 12:30	***Tea Brake***	
		Dr. M.S Yadav, Principal AK College Shikohabad

12:30 – 13:00	Conclusion of the session 4	Dr. Anuradha Gupta, BD Jain College, Agra
Rapporteur of the session 5		Dr. Apeksha Sharma, Km. M.G.G College, Badalpur Noida Dr. Seema Soni, Satya Sai College, Bhopal
13:00 – 14:00	***Lunch***	
Session-6 Environmental Damage, Loss of Livelihoods and Services, Economic Disruption **Chair:** Prof. Poonam Rani Gupta, BDK College Agra & Dr. Vineeta Gupta, DDM College Firozabad, Dr. Raghuraj Singh Govt. College Charra		
14: 00 – 16:30	• Natural and Man Made Disasters • Environment and Disasters • Environmental Changes After Disasters	• Shri Vikas Nayak, IFS Firozabad • Dr Deepti Sharma, Deptt of Humanities, Chiang Mai University, Chiang Mai Thialand. • • Prof. M.A. Khalid, Integral University Lucknow
16:30 – 16:45	Conclusion of the session	Dr. Anshu Sharma, Paliwal College Shikohabad Dr. Vineeta Yadav, BDM Firozabad
Rapporteur of the session		Dr. Neetu Yadav, ND College Shikohabad Dr. Darshana Kumari, BDM College Shikohabad

--------- Valedictory Session ---------

(16:00pm to Onwards)

List of Participants

3rd INTERNATIONAL CONEFERENCE

TOPIC – CONTROL MISSION OF ENVIRONMENT AND DISASTER MANAGEMENT: ROLE OF GOVT.& NON – GOVT. ORGANIZATIONS (ICCMEDM – 2023)

DATE – 23 & 24 December 2023

S.No.	Faculty Name
1.	Prof Praveen Kumar
2.	Dr Vishal Pathak
3.	Dr Prem Prabhakar
4.	Shri Pravin Kumar Paliwal
5.	Dr R C Dubey
6.	Dr Ajay Karan Chaudhari
7.	Dr Anshu Sharma
8.	Dr Hozeyfa Sagir
9.	Shri Sunil Patel
10.	Shri Pushkar Singh
11.	Shalu Agrawal
12.	Dr TH Naqvi
13.	Dr Sushil Kumar
14.	Dr R B Pandey
15.	Shri Rajiv Agrawal
16.	Shri Bhuvnesh Yadav
17.	Shri Anurag Paliwal
18.	Dr Sharda Nidhi Garg
19.	Dr Abha Mudgal
20.	Dr Anamika Singh
21.	Dr Neelam
22.	Dr Priti

23.	Dr Chhaganlal Sharma
24.	Dr Shilpi shakya
25.	Dr Darshna Kumari
26.	Dr Ajab Singh
27.	Dr Pallavi Pandey
28.	Dr Maya
29.	Dr Rajan Verma
30.	Dr Manish Kumar
31.	Dr Samriddhi
32.	Dr Dig Pratap Singh
33.	Dr Sneha Lata Chaturvedi
34.	Dr Anurag Paliwal Agra
35.	Dr VK Gupta
36.	Dr Ramesh Kumar Shukla
37.	Dr Riyanka Singh
38.	Dr Jaya Tomar
39.	Dr Manisha Sharma
40.	Dr Sudha Rani
41.	Shri Sanjay Singh (Research Scholar)
42.	Smt Priyanka singh (Research Scholar)
43.	Anshu Sharma
44.	Dr DP Singh
45.	Dr A P Singh
46.	Dr C B Patel
47.	Dr Jenendra Pathak
48.	Shri Shishu Pal Singh
49.	Dr Shashi Bala
50.	Dr Archana Khare
51.	Dr Savita
52.	Dinesh Kumar Singh(Research Scholar)
53.	Dr Soveer Khirwar
54.	Dr Arti Shah

SR.	SCHOLARS NAME
55.	VANSHIKA
56.	TIBRA KHAN
57.	SAPHIA
58.	SHIBU
59.	SIMRAN KHAN
60.	PRIYANKA
61.	SARITA
62.	ARPITA
63.	RUCHI RAJPUT
64.	KAJAL
65.	NISHA
66.	NIKETA
67.	SARASWATI
68.	MUSKAN
69.	PRIYA
70.	YUKTI
71.	SHRENI
72.	BANDANA
73.	AKSHARA SHARMA
74.	SRASHTI
75.	SHREYA
76.	SHREYA SHARMA
77.	SHRADHA SHARMA
78.	PAYAL RAJPUT
79.	MUSKAN
80.	MANSI
81.	KASHISH AGRAWAL
82.	RAVINA RAJPUT
83.	SOMAN YADAV
84.	CHHAVI GUPTA
85.	UMAM KHAN
86.	SANAYA
87.	SHINU
88.	KAJAL

89.	BABITA KUMARI
90.	DIVYA YADAV
91.	TANYA YADAV
92.	UMANG CHAUHAN
93.	KASHISH SINGH
94.	MAHADEV
95.	PRASHANT CHAUHAN
96.	MANJEET
97.	VANSH PALIWAL
98.	MOHAMMED AMAN
99.	KAUSHAL
100.	MAYANK PRATAP
101.	VINESH
102.	RISHABH KUMAR
103.	ANKIT
104.	YASH RAJ SHRIVASTAV
105.	NITIN KANT
106.	SAMYAK KULSHRESHTHA
107.	ARJUN KUMAR
108.	PRANJAL
109.	PRAYAG SHARMA
110.	PRAMOD KUMAR
111.	ASTHA SHRIVASTAV
112.	AIMAN ZEHRA
113.	SUHEMA QURESHI
114.	RONAK YADAV
115.	SANGAM
116.	NATASHA
117.	KAUSHLENDRA
118.	LALIT KUMAR
119.	ADITYA KULSHRESTHA
120.	ARZOO KULSHRESTHA
121.	POONAM YADAV
122.	IAHWAR CHANDRA BUNDELA
123.	PINKY KHAN

124.	BABY RINKI KHAN
125.	VAISHNAVI
126.	SUJATA
127.	AMIT SINGH
128.	SHREYA KUMARI
129.	MADHURI
130.	NAMRATA
131.	RIMI TOMAR
132.	NAMITA PATHAK
133.	ANJU
134.	RADHA
135.	SHIVANI
136.	DEEPTI KUSHWAH
137.	LAIBA FATIMA
138.	SAURABH KUMAR
139.	MAYANK PRATAP
140.	ANAND
141.	LAVALESH
142.	SURABHI SINGH
143.	VAISHNAVI
144.	SHEETAL
145.	MEGHAME MEGHA YADAV
146.	MUSKAN
147.	AARADHYA SINGH